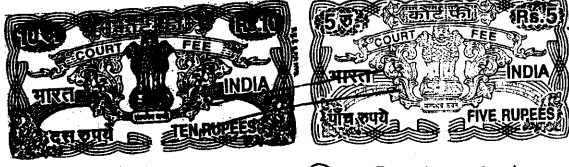


17
न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल म०प० ग्वालियर सर्किट कोर्ट रीवा म०प०

प०क्र०/आर.-दो/ /2014,



R. 2560-114

श्रीमती किरण देवी मिश्रा पत्नी श्री कृमाशंकर मिश्रा उम्री लगभग 35
वर्ष पेसा गृह कार्य नि०ग्राम सगरा खुर्द पत्रालय थाना व तहसील हनुमना
जिला रीवा म०प० --- आवेदिका/ निगराकार
बनाम

1- श्रीमती बृजकली धर्म पत्नी श्री उमाशंकर ब्रा० उम्री लगभग 71 वर्ष ।
2- श्रीमती कमला तिवारी धर्म पत्नी श्री अमरनाथ तिवारी उम्री लगभग
41 वर्ष -दोनों का पेसा गृह कार्य एवं नि०ग्राम सगरा खुर्द पत्रालय
थाना व तहसील हनुमना जिला रीवा म०प०

3- धासन म०प० --- अनावेदक/गैर निगराकार

निगरानी याचिका अन्तर्गत धारा 50 म०प०
भू-राजस्व सीहिता सन् 1959 ई०।

निगरानी बिल्लू निर्याय न्यायालय श्रीमान्
अपर क्लेक्टर महोदय रीवा के निग-प०क्र०/
19/अ74/13-14 आदेश दिनांक 01-03-2014

पूरण के संक्षिप्त तथ्य :-

अ- यह कि आवेदिका जिसे अन्यत्र निगराकार के रूप में सम्बोधित
किया जावेगा, के द्वारा ग्राम सगरा खुर्द तहसील हनुमना स्थित भूमि न०
183/1क रकवा 0-683 आरें का अंश भाग 8-811 आरें जरिस पंजीकृत विक्रय
पत्र दिनांक 27-11-2010 को मुत्. श्यामा शकुला पत्नी स्व. अर्जुन प्रसाद
शकुला से कृय कर मुताविक विक्रय पत्र का बिज दखील चली आ रही है ।

ब- यह कि तत्कालीन हल्का पटवारी बगैर सक्षम अधिकारी के आदेश
के ही अनावेदिका कृमांक दो से अन्यथा प्रभावित होकर मौकेकी स्थिति के
विपरीत आवेदिका की गैर जानकारी एवं बिना किसी सूचना के दिनांक

किरण मिश्रा

307
18.6.14 24-7-14

B-15

श्री. उमाशंकर मिश्रा 230
भारत आज दिनांक 18-06-14
प्रस्तुत किया गया

सिडर
सर्किट कोर्ट रीवा

क्रमांक 2355
रजिस्टर्ड कोर्ट आज
दिनांक को प्राप्त

कलक ओ. कोर्ट 25-7-14
राजस्व मण्डल न.प्र. ग्वालियर


राम सुशील शर्मा
अध्यक्षता
(निग. म. एम. एन. एल. एल. सी.)
जिला रीवा (न. प्र.)

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ-अ

मामला क्र०-R.2560-III/14

जिला-रीवा

किरण देवी/बृजकली ब्रा०

(1)	(2)	(3)
01.02.17	<ol style="list-style-type: none">1. प्रकरण प्रस्तुत।2. आवेदक तथा उनके अधिवक्ता की पुकार करायी गयी किन्तु सूचना उपरांत उपस्थित नहीं है।3. चूकि आवेदक तथा अभिभाषक सूचना उपरांत उपस्थित नहीं है। अतः संहिता की धारा-35(2) के तहत प्रकरण अदम पैरवी में खारिज किया जाता है।4. आदेश की प्रति अधीनस्थ न्यायालय को भेजा जावे, तत्पश्चात प्रकरण पंजी से समाप्त होकर दा.द. हो। <p style="text-align: right;"> सदस्य</p>	